

Roll No.

Signature of Invigilator



Paper Code

BD 101

पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
Examination Dec. – 2017
B. A. Philosophy (Semester: First)
Philosophy
योग दर्शन

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है।
प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-अ

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं।
किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. 'योगादिचतुर्वृत्तिनिरोधः' - सूत्र की अर्थ सहित व्याख्या करें।
2. समाधि के स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन करें।
3. क्लेश से आपका क्या अभिप्राय है? इसके विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।
4. योगदर्शनानुसार 'अन्तराय' किसे कहते हैं? इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।
5. विभूतिपाद में वर्णित विभूतियों का संक्षेप में वर्णन करें।

खण्ड-ब

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4×5=20)

1. ईश्वर के स्वरूप का विवेचन करें।
2. योग के विघ्नों एवं उपविघ्नों के नाश के क्या उपाय हैं? स्पष्ट करें।
3. चित्त भूमियों से आपका क्या आशय है? इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें।
4. महर्षि पतञ्जलि द्वारा उत्तम, मध्यम और अधम कोटि के साधकों के लिए वर्णित साधना पर प्रकाश डालिए।
5. 'त्रयमेकत्र संयमः' - सूत्रार्थ सहित व्याख्या कीजिए।
6. कैवल्य के स्वरूप का वर्णन करें।

खण्ड-स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है।
इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×0.5=05)

1. योग सूत्र के तृतीय पाद का क्या नाम है ?
(अ) साधन पाद (ब) विभ्रूति पाद
(स) समाधि पाद (द) कैवल्य पाद
2. महर्षि पतञ्जलि के अनुसार सिद्धियाँ कितने प्रकार की होती हैं ?
(अ) चार (ब) पाँच
(स) सात (द) दो
3. योग सूत्र में कितने प्रकार के प्राणायामों का वर्णन है ?
(अ) तीन (ब) दो
(स) पाँच (द) चार
4. कैवल्य पाद में सूत्रों की संख्या कितनी है ?
(अ) 51 (ब) 55
(स) 34 (द) 65
5. ईश्वर का वाचक (नाम) क्या है ?
(अ) नित्य (ब) विभ्रुः
(स) निराकार (द) प्रणवः
6. सम्प्रज्ञात समाधि के कितने भेद हैं ?
(अ) चार (ब) तीन
(स) दो (द) पाँच
7. योग दर्शन में प्रमाणों की संख्या है
(अ) चार (ब) तीन
(स) पाँच (द) दो
8. वृत्तियाँ कितने प्रकार की होती हैं ?
(अ) तीन (ब) चार
(स) पाँच (द) दो
9. योगान्तरायों की संख्या कितनी है ?
(अ) सात (ब) पाँच
(स) नौ (द) आठ
10. क्लेशों की संख्या कितनी है ?
(अ) पाँच (ब) सात
(स) चार (द) तीन

-----X-----